

9-10-20

PAGE NO.	
DATE	

सुलेख

कुसुम ने तेरह रुपये महादेव की जेब के भीतर डाल दिए। अब उसके पास दस रुपये बचे थे। उसने वे रुपये अपने पास रख लिए। तभी मेहमान आ गए। महेश दुकान से दस रुपये की जलेबी ले आया। सबने चाय पी और जलेबी खाई। मेहमान बहुत खुश हुए।